टाइटेनियम व सुपर एलॉय प्लांट का उद्घाटन

लखनऊ, विशेष संवाददाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में पीटीसी ग्रुप के 50 एकड़ वाले परिसर में टाइटेनियम व सुपर एलॉय प्लांट का उद्घाटन किया। सात अत्याधुनिक परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

एयरोलॉय टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड (पीटीसी इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (लखनऊ नोड) में भारत के पहले स्ट्रेटेजिक मैटेरियल टेक्नालॉजी काम्प्लेक्स के अंतर्गत सात रक्षा परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी गई। टाइटेनियम व सुपर एलॉय प्लांट की सालाना उत्पादन क्षमता 6000 टन होगी। दुनिया की सबसे बड़ी सिंगल-साइट टाइटेनियम रीमेल्टिंग सुविधा यहां होगी। इसके जरिए यूके स्थित ट्रास प्रीसियशन्स का भारत के डिफेंस इकोसिस्टम में औपचारिक प्रवेश भी होगा। यह भारत को पहली बार सिंगल क्रिस्टल एयरफायल के निर्माण से लेकर फाइनल मशीनिंग तक की क्षमता देगा।

14,000 करोड़ मूल्य के रक्षा-ग्रेड मटेरियल्स भारत हर वर्ष आयात करता है, जो 2026 तक ₹35,000 करोड़ तक पहुंच सकता है। एयरोलॉय टेक्नोलॉजीज़ का यह कॉम्प्लेक्स इस निर्भरता को खत्म कर आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने की दिशा में रक्षा मंत्रालय के विजन से पूर्णतः मेल खाता है।

- ये भारत को उन गिने-चुने देशों में लाएगा जिनके पास रक्षा मटेरियल्स की फुल-स्पेक्ट्रम कैपेबिलिटी है। भारत रक्षा उपकरणों का निर्माता-निर्यातक भी बनेगा।

इनका हुआ शिलान्यास

1. जेट इंजन के लिए क्रिटिकल कास्टिंग्स निर्माण परियोजना
2. एयरोस्पेस फोर्ज शाप एंड मिल प्रोडेक्ट प्लांट।
3. एयरोस्पेस मशीनिंग शाप के जरिए एसेंबल काम्पानेंट का निर्यात होगा
4. स्ट्रेटेजिक पाउडर मटलर्जी फैसिलिटी परियोजना में ग्रेड मेटल पाउडर का उत्पादन होगा
5. स्ट्राराइड एकडेमी। एयरोस्पेस निर्माण के लिए मानव संसाधन तैयार करेगा।
6. आर एंड डी सेंटर बनेगा।